मूल्य 1 रु.
वर्ष: 10 - अंक : 167, मुंबई, बुधवार, 9 सितंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
अब हर सच होगा उजागर

रिया चक्रवर्ती गिरफ्तार

रिया ने सुशांत की बहन प्रियंका के खिलाफ एफआईआर करवाई, सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया

रिया चक्रवर्ती की गिरफ्तारी पर बोलीं सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता- ईश्वर हमारे साथ हैं

सुशांत सिंह राजपूत केस में ड्रग्स मामले में रिया चक्रवर्ती से लंबी पूछताछ के बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। इसके साथ ही सुशांत की बहग श्वेता कीर्ति सिंह ने सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। रिया की गिरफ्तारी के साथ ही श्वेता ने ट्विटर पर लिखा- ईश्वर हमारे साथ है। लोगों ने कॉमेंट कर उन्हें इस जीत की बधाई दी है और कइयों ने कहा है कि सच और प्रार्थना की यह ताकत है। सुशांत सिंह राजपूत के फैन्स लगातार श्वेता को सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं दे रहे हैं।

ड्रग्स केस में रिया चक्रवर्ती को नहीं मिली जमानत

14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजी गई

संवाददाता
मुंबई। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के 84 दिन बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने मंगलवार को सुशांत की गर्लफ्रेंड रही रिया चक्रवर्ती को ड्रग्स केस में गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल के बाद चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट के सामने रिया को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया। यहां एनसीबी ने साफ कहा कि वह रिया की रिमांड नहीं चाहती है, लेकिन उनकी जमानत नहीं होनी चाहिए। अदालत ने रिया की जमानत अर्जी खारिज कर दी है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

एनसीबी ने 3 दिन में रिया से करीब 20 घंटे पूछताछ की थी, सोमवार को एक्ट्रेस के भाई शोविक को भी सामने बैठाया था

रिया का सच सामने आया: बिहार के डीजीपी

बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे ने कहा कि एनसीबी के पास रिया के खिलाफ पक्का सबूत है। रिया का ड्रग पैडलर्स के साथ कनेक्शन था। यह बात पुख्ता होने पर गिरफ्तारी की कार्रवाई हुई है।

एनडीपीएस एक्ट की इन धाराओं के तहत हुई रिया की गिरफ्तारी

सुशांत की मौत के मामले में ड्रग्स एंगल आने के बाद एनसीबी ने तेजी से कार्रवाई की। ड्रग्स कनेक्शन के चलते ही रिया चक्रवर्ती को एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8(सी), 20(बी), 27(ए), 28 और 29 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। इससे पहले एनसीबी की टीम ने रिया के भाई शोविक और सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा को गिरफ्तार किया था।

आईसीयू में हैं सुरेखा सीकरी

75 साल की एक्ट्रेस सुरेखा सीकरी को दो साल में दूसरी बार हुआ ब्रेन स्ट्रोक, हॉस्पिटल में एडमिट हैं बालिका वधू की दादी सा

मुंबई। मशहूर एक्ट्रेस सुरेखा सीकरी को मंगलवार सुबह दूसरी बार ब्रेन स्ट्रोक आया। जिसके बाद उन्हें निजी अस्पताल में एडमिट करवाया गया था। वे आईसीयू में हैं। सुरेखा की सेहत के बारे में विवेक सिधवानी ने इस बारे में जानकारी दी। सुरेखा की हालत स्थिर है, लेकिन फिर भी डॉक्टर्स उन पर निगरानी बनाए हुए हैं। सुरेखा के हॉस्पिटलाइज्ड होने की खबर के बाद बधाई हो में उनके को-स्टार रहे गजराज राव और डायरेक्टर अमित शर्मा उनकी मदद के लिए आगे आए हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

हाइपरसोनिक भारत

हाइपरसोनिक तकनीक विकसित करने की दिशा में भारत की कामयाबी स्वागतयोग्य है। हमारा देश इस तकनीक के विकास में अमेरिका, रूस और चीन के बाद चौथा देश हो गया है। भारत सोमवार को ओडिशा के बालासोर स्थित एपीजे अब्दुल कलाम परीक्षण रेंज से सफलतापूर्वक परीक्षण कर सका है, तो यह भारतीय वैज्ञानिकों को विशेष बधाई देने का भी अवसर है। हमारा देश ध्वनि की गति से भी छह गुना ज्यादा तेजी से यान या मिसाइल प्रक्षेपित करने की योग्यता हासिल करने की ओर बढ़ चला है। सबसे खास बात, भारत स्वदेशी तकनीक या इंजन के दम पर इस मुकाम को हासिल करने जा रहा है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित हाइपरसोनिक टेस्ट डिमॉन्स्ट्रेटर व्हीकल (एचएसटीडीवी) का परीक्षण सोमवार सुबह 11.03 बजे अग्नि मिसाइल बूस्टर का उपयोग करके किया गया। आगे की तैयारी अगर सही चली, तो भारत पांच वर्ष में एक सक्षम स्क्रैमजेट इंजन के साथ हाइपरसोनिक क्षमता विकसित कर लेगा। भारत की अंतरिक्ष और विमानन शक्ति बहुत बढ़ जाएगी। भारत के लिए प्रति सेकंड दो किलोमीटर से भी अधिक की रफ्तार हासिल करना संभव होगा। यह परीक्षण गति, तापमान, प्रदर्शन के हर पैमाने पर आशा के अनुरूप रहा है। यह हाइपरसोनिक व्हीकल न केवल 2,500 डिग्री सेल्सियस के तापमान को झेलने में सफल रहा है, अत्यधिक तेज रफ्तार भी इसकी राह में बाधा नहीं बन पाई है। खास बात यह है कि इस तकनीक का प्रयोग मिसाइल के अलावा भी अन्य सकारात्मक कार्यों में हो सकेगा। अभी जो तकनीक विकसित हो रही है, वह मानव रहित तेज विमान की तकनीक है, लेकिन भविष्य में मानव के सवारी योग्य हाइपरसोनिक यान का निर्माण भी संभव है। इसके अलावा, भारत जिस तकनीक का विकास कर रहा है, वह किफायती है और भविष्य में भारत के लिए सैटेलाइट लॉन्च करने का खर्च भी बहुत कम हो जाएगा। हाइपरसोनिक व्हीकल में अमेरिका का विकास काबिले-तारीफ है। वैसे इस गति से यात्रा करने वाले पहले इंसान रूसी अंतरिक्ष यात्री यूरी गैगरीन थे। साल 1961 में उनका यान जब पृथ्वी के वातावरण की ओर लौटा, तब उसकी गति हाइपरसोनिक हो गई थी। पृथ्वी की ओर आने की स्वाभाविक गति इतनी तेज होती है कि गिरने या आने वाली चीज में आग लगना आम बात है, लेकिन आग से बचने की तकनीक 1960 के दशक में ही साकार हो चुकी थी, जिससे अंतरिक्ष यानों और यात्रियों का पृथ्वी पर लौटना संभव होने लगा था। लेकिन पृथ्वी की ओर से हवा में इतनी ही गति को हासिल करना चुनौतीपूर्ण है। हाइपरसोनिक तकनीक भी दो प्रकार की होती है, एक तकनीक पृथ्वी से 1,00,000 फीट ऊंचाई तक ही काम करती है, जिसका उपयोग मिसाइल में किया जा सकता है। दूसरी तकनीक इस ऊंचाई से ऊपर भी काम कर सकती है, जिसका उपयोग सैटेलाइट, अंतरिक्ष यान इत्यादि के लिए हो सकता है। इस तकनीक के विकास में रूस और चीन ज्यादा प्रयासरत हैं, जबकि अमेरिका एक स्तरीय विकास के बाद थोड़ा धीमा दिखता है। इसके अलावा, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और जापान भी इस तकनीक को साकार करने में जुटे हैं, लेकिन इनके बीच भारत की शुरुआती कामयाबी एक बड़ी खुशी लेकर आई है।

सुधार की ठोस पहल

हमारी नौकरशाही लालफीताशाही, अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार के लिए बदनाम है। 1970 के दशक में जेके गॉलब्रेथ की टिप्पणियों से लेकर तमाम हालिया सर्वेक्षणों में भारतीय नौकरशाही के संबंध में यही सच उजागर होता रहा है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उसे इस समस्या से उबारने के लिए मिशन कर्मयोगी शुरू करने का फैसला किया है। इसका मकसद पारदर्शिता, प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी के जरिये लोकसेवकों की कार्यक्षमता में सुधार लाना और उन्हें अपने नाम के अनुकूल सच्चे जनसेवक बनाना है। सवाल है कि यह होगा कैसे? पिछले दिनों राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी के जरिये राष्ट्रीय स्तर पर भर्ती का खाका सामने आया है। वैसे तो संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग और रेलवे भर्ती बोर्ड आदि की परीक्षाओं में काफी सावधानियां बरती जाती हैं, लेकिन अफसोस की बात यह है कि कर्मचारियों-अधिकारियों की भर्ती के बाद मामला उतना ही उदासीन बनता जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि ईमानदारी के जज्बे से भरे युवा सेवा में आने के बाद अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार के दलदल में गिरते चले जाते हैं। पूरा सरकारी तंत्र ही उन्हें यह यकीन दिला देता है कि वे एक तरह से कल्पवृक्ष की छांव में बैठने के लिए आए हैं।

चूंकि ब्रिटिश काल से ही यह हो रहा है, इसलिए आजादी के बाद सरकारी नौकरी में आने के लिए जैसी प्रतिस्पर्धा होती है, वैसी कहीं और नहीं नजर आती। दरअसल इसकी वजह यह है कि सरकारी नौकरी सेवा के बजाय सुविधाओं का पर्याय बनती गई है। इसमें आकर्षक पेंशन, मेडिकल एवं आवास सुविधाओं के साथ विदेश यात्रा की भी सुविधा मिलती है। इन प्रवृत्तियों पर लगाम लगाने और लोकसेवकों को सच्चा जनसेवक बनने की बातें दशकों से हो रही हैं, लेकिन समग्रता के साथ ठोस पहल कभी नहीं हो पाई।

दर्जनों समितियों और प्रशासनिक आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ने समय-समय पर नौकरशाही में फैली अकर्मण्यता और निष्क्रियता को उजागर किया है, लेकिन उसकी खामियां बरकरार रहीं। अपनी मृत्यु से पहले एक अमेरिकी पत्रकार को दिए साक्षात्कार में नेहरू ने भी स्वीकार किया था कि वह भारतीय नौकरशाही को नहीं सुधार पाए। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरूआत में कहा था कि अब उनकी प्राथमिकता नौकरशाही में सुधार लाने की है। मिशन कर्मयोगी सही दिशा में एक कदम है, बशर्ते वह जमीन पर उतरे। हालांकि इसे हाल ही में उठाए गए कुछ अन्य महत्वपूर्ण कदमों जैसे-कुछ ऊंचे पदों को छोड़कर भर्ती में साक्षात्कार की समाप्ति, राजपत्रित अधिकारी से सत्यापन के बजाय स्वयं सत्यापन, समय पालन के लिए बायोमीट्रिक्स अटेंडेंस की अनिवार्यता और भारतीय भाषाओं के लिए पहल की कड़ी में देखने की जरूरत है। आखिर भर्ती में इतनी कठिन प्रतियोगिता से गुजरने के बाद सरकारी कर्मचारी धीरे-धीरे इतने सुस्त, अकर्मण्य और जनता की समस्याओं के प्रति उदासीन क्यों होते जाते हैं? अफसरों के प्रशिक्षण की सर्वोच्च संस्था लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी हो या सिकंदराबाद, नागपुर, बड़ौदा की अकादमी या फिर दूसरे प्रशिक्षण संस्थान, ये सब अपने स्वरूप, पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण और उद्देश्य में धीरे-धीरे जनता और शासन के प्रयोजनों से निरंतर दूर कैसे होते गए? गरम जलवायु वाले भारत जैसे देश में अंग्रेजों की ओर से शुरू परंपराएं यथा-बंद गले का कोट और टाई की अनिवार्यता क्यों? लोकसेवकों के लिए अंग्रेजी प्रशिक्षण और इतिहास आदि के वही रटे-रटाए पाठ्यक्रम क्यों?

क्या शुरूआती 20 हफ्ते के फाउंडेशन प्रोग्राम में उन्हें भारत की 20 चुनिंदा समस्याओं जैसे-भाषा, जाति, पानी, सफाई, स्वास्थ्य, सीवेज प्रणाली, सूखा, साक्षरता, महिलाओं से जुड़े मुद्दों, कानून व्यवस्था, आर्थिक असमानता और भौगोलिक चुनौतियां आदि का शिक्षण नहीं दिया जा सकता? इन विषयों की केस स्टडी भी इसमें शामिल होनी चाहिए और दिग्गज विचारक, पत्रकार और राजनेताओं को उनसे सीधे रूबरू कराया जाना चाहिए। लोकसेवकों को संवेदनशील और चुस्त बनाने के साथ ही उनमें देश के प्रति समझ भी पैदा की जानी चाहिए, न कि पहले ही दिन से अमेरिकी और यूरोपीय संस्थानों के सब्जबाग दिखाए जाने चाहिए। वैश्विक संस्थानों के बारे में जानना और उनकी समस्याओं को समझना भी जरूरी है, लेकिन उससे पहले अपने देश, प्रदेश, समाज, संस्कृति और उनकी समस्याओं के बारे में जानना आवश्यक है। यह अफसोस की बात है कि प्रशिक्षण के दौरान हमारे लोकसेवक जिन केस स्टडी का अध्ययन करते हैं, उनमें से 90 प्रतिशत से अधिक आयातित होती हैं। यानी समस्याएं हमारे देश की, नौकरशाही हमारी और उन्हें पढ़ाया जाता है दूसरे देशों के अनुभवों के बारे में। सवाल है कि हम प्रामाणिक और विश्वसनीय केस स्टडी भी सामने क्यों नहीं ला पा रहे हैं? हमारे प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान क्या कर रहे हैं? अभी कोरोना महामारी को देखते हुए तुरंत ही यह कदम उठाने की जरूरत है कि प्रशिक्षण संस्थानों में जो अधिकारी हैं, उन्हें कार्यस्थलों पर भेजा जाए। कार्यस्थलों के अनुभव जल्दी और बेहतर सीखने का मौका देते हैं। तैरना तालाब में उतरकर सीखा जाता है, किताबों से नहीं। कुछ तकनीकी प्रशिक्षण को छोड़कर लोकसेवकों के प्रशिक्षण की अवधि भी कम की जानी चाहिए। दुनिया भर के तमाम निजी संस्थानों में कर्मचारी की पदोन्नति परीक्षा और साक्षात्कार के जरिये उसकी कार्यक्षमता परखने के बाद होती है, जबकि भारत सरकार में यह कार्य एक गोपनीय रिपोर्ट के आधार पर हो जाता है, जो प्रक्रिया विश्वसनीयता खो चुकी है।

निश्चित रूप से नौकरशाही के अंदर से मिशन कर्मयोगी का विरोध होगा और विपक्ष भी अपने मिजाज के अनुकूल आवाज उठाएगा, लेकिन यदि पारदर्शिता और आत्मनिर्भर भारत के नारे के तहत अपने ही संस्थानों के बूते इस मिशन पर काम किया जाए, तो नौकरशाही को सुधारा जा सकता है।

प्रकृति की पर्याय है नारी शक्ति

स्त्री और प्रकृति एक-दूसरे के पूरक हैं। स्त्री के बिना प्रकृति और प्रकृति के बिना स्त्री अधूरी है। तभी तो हम लोग स्त्री के विभिन्न अंगों की तुलना प्रकृति से करते हैं। जैसे गुलाब की पंखुड़ी जैसे होंठ, काले बदरा जैसी जुल्फें, झील सी आंखें, लेकिन विडंबना देखिए कि इन दोनों के साथ छेड़खानी हो रही है, जबकि हम सभी जानते हैं कि स्त्री और प्रकृति से छेड़खानी समाज और देश पर भारी पड़ती है। दोनों को इसका भारी मूल्य चुकाना पड़ता है। स्त्री को अपमानित, तिरस्कृत करने से समाज में तमाम तरह की विकृतियां आ रही हैं, तो वहीं प्रकृति के अंधाधुंध दोहन से बाढ़, सूखा, सुनामी जैसी विनाशकारी स्थितियां उत्पन्न हो रही हैं। महिलाएं विषम मौसमी परिस्थितियों में भी कृषि कार्यों में संलग्न पाई जाती हैं। अमूमन उन्हें न तो सर्दी-जुकाम होता है, न ही बुखार। पशुओं से तो उनका रिश्ता अपने बच्चों सा होता है। कितने भी हिंसक पशु हों, उन्हें नियंत्रण में रखना वे बखूबी जानती हैं। प्रसव की असहनीय वेदना को सहने की शक्ति उसे प्रकृति ने ही दी है। पुष्प वाटिका में माता सीता की सुंदरता अप्रतिम थी, तभी तो श्रीराम उन पर आसक्त हुए थे। राजसुख में पली-बढ़ीं उन्हीं सीता ने वनवास का समय भी सहज रूप से बिताया। अप्रतिम सौंदर्य की स्वामिनी शकुंतला भी स्वयं को पुष्पों से सजाकर रखती थीं, जिसे देखकर राजकुमार दुष्यंत उन पर मोहित हो गए थे। स्त्री रिश्ते की हर कसौटी पर खरी उतरती है। जिस प्रकार अनेक कष्टों को सहन कर स्त्री का अस्तित्व बरकरार है, उसी तरह हर तरह के थपेड़ों को सहकर प्रकृति भी अपना सौंदर्य बिखेरती रहती है। चिपको आंदोलन हम सभी को याद है, जिसमें महिलाओं ने पेड़ों से लिपटकर उनकी रक्षा की थी। यह सब इसलिए संभव हुआ, क्योंकि स्त्री प्रकृति के अधिक करीब है।वास्तव में स्त्री और प्रकृति में असीम संभावना और समानता है। स्त्री प्रकृति का ही पर्यायवाची रूप है। जब हम प्रकृति की गोद में बैठते हैं, तो हमें स्त्री के विभिन्न आयामों यथा मां, बहन, पत्नी, पुत्री, प्रेमिका के रूप का भान होता है। ममता और सौंदर्य की छांव हमें दोनों से मिलती है।

देश के सबसे बड़े रेडियो टेलिस्कोप को स्थापित करने वाले खगोलशास्त्री गोविंद स्वरूप का 91 साल की उम्र में निधन

भारत रेडियो खगोलशास्त्र के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए सरकार ने उन्हें पद्मश्री से नवाजा था

संवाददाता

पुणे। रेडियो खगोलशास्त्री गोविंद स्वरूप का सोमवार रात 91 वर्ष की उम्र में पुणे के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। राष्ट्रीय रेडियो खगोल भौतिकी केंद्र (एनसीआरए) ने एक बयान में उनके निधन की पुष्टि की है। एनसीआरए ने कहा, हम बेहद भारी मन से यह घोषणा करते हैं कि हमारे विख्यात वैज्ञानिक एवं महान रेडियो खगोलशास्त्री प्रोफेसर गोविंद स्वरूप का सोमवार की रात नौ बजे निधन हो गया। गोविंद स्वरूप ने पुणे के पास दुनिया के सबसे बड़े टेलिस्कोप में से एक 'जॉइंट मीटर वेव रेडियो टेलिस्कोप' को स्थापित किया था। उन्होंने ऊटी में एक बड़े रेडियो टेलिस्कोप की भी स्थापना किया था। भारत रेडियो खगोलशास्त्र के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए सरकार ने उन्हें पद्मश्री से नवाजा था। इसके अलावा भटनागर अवॉर्ड और ग्रोट रेबर मेडल भी उन्हें मिला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने व्यक्त किया शोक

गोविंद स्वरूप के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दुख व्यक्त किया है। पीएम ने ट्वीट कर कहा कि प्रोफेसर गोविंद स्वरूप एक असाधारण वैज्ञानिक थे। रेडियो खगोल विज्ञान में उनके अग्रणी कार्यों ने दुनिया भर में काफी प्रशंसा प्राप्त की है। उनके निधन से मैं बेहद दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उनके परिवारजनों और प्रिय लोगों के साथ हैं।

इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से की थी पढ़ाई

स्वरूप का जन्म 1929 में ठाकुरवाड़ा में हुआ था। वे 1950 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एमएससी करने के बाद 1961 में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पीएचडी करने गए थे। इसके बाद वह 1963 में भारत लौटे। लौटने के बाद उन्होंने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च जॉइन किया। उन्हें इसका आमंत्रण होमी भाभा ने दिया था। यहां उन्होंने एक रेडियो एस्ट्रोनॉमी ग्रुप बनाया। जो आज भी मौजूद है।

कुर्ला में लूट के लिए बुजुर्ग महिला को उतारा मौत के घाट

संवाददाता

मुंबई। कोरोना काल में लोग भले ही घरों में बंद रहने को मजबूर हैं, लेकिन अपराधियों के निशाने पर घरों में रहने वाली अकेली बुजुर्ग महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक हैं। ताजा मामला बीती रात में कुर्ला के जागृति नगर का है, जब 60 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला की किसी अज्ञात व्यक्ति ने गला काट कर हत्या कर दी। नेहरू नगर पुलिस के सीनियर पीआई विलास शिंदे के अनुसार, जरीना अनवर शेख कुर्ला में वर्षा सोसायटी की दूसरी मंजिल पर रूम नंबर 207 में रहती थीं। वह बीती रात घर में अकेली थीं। करीब 11:30 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुस कर किसी धारदार हथियार से जरीना का गला काट दिया और घर के कपाट में रखे 19

तोला सोने के आभूषण लेकर गायब हो गया। इसके अलावा, जरीना के शरीर से भी करीब 5 लाख 70 हजार रुपये के आभूषण भी उतार लिए। जख्मी हालत में जरीना को राजवाडी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी की मदद से घटना की जांच कर रही है। नेहरू नगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। जरीना के रिश्तेदार का कहना है कि सोना लूटने के लिए जरीना की हत्या की गई है। इस उम्र में जरीना की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। गौरतलब है कि मुंबई में बुजुर्गों के प्रति सबसे अधिक आपराधिक मामले सामने आए हैं। नैशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) 2018 की रिपोर्ट में बताया गया है कि मुंबई में बुजुर्गों के प्रति 1,043 मामले दर्ज किए गए हैं, जो देश के किसी भी अन्य शहरों के मुकाबले अधिक हैं। 2017 में यह आंकड़ा 1,115 का रहा है। हालांकि, 2017 के मुकाबले 2018 में 72 कम मामले दर्ज किए हैं। राहत की बात यह है कि पिछले 3 वर्षों में आंकड़े लगातार कम होते जा रहे हैं।

निजी अस्पतालों में सभी बिस्तरों के लिये शुल्क की ऊपरी सीमा तय करना अव्यवहार्य: महाराष्ट्र सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को बंबई उच्च न्यायालय से कहा कि राज्य में निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में सभी बिस्तरों के लिये शुल्क की ऊपरी सीमा तय करना उसके लिये व्यवहार्य नहीं होगा। महाधिवक्ता आशुतोष कुंभकोणी ने न्यायमूर्ति अमजद सैयद की अध्यक्षता वाली पीठ से कहा कि राज्य सरकार ने निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में 80 प्रतिशत बिस्तरों के लिये व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट सहित अनुषंगी वस्तुओं के लिये शुल्क की ऊपरी सीमा तय कर रखी है। उन्होंने कहा कि हालांकि, अस्पतालों को कोविड-19 एवं अन्य मरीजों के उपचार के लिये शेष 20 प्रतिशत बिस्तरों के लिये शुल्क लेने को कहा गया है। कुंभकोणी ने कहा, हम निजी अस्पतालों को पूरी तरह से अपने नियंत्रण में नहीं ले सकते। सभी बिस्तरों के लिये शुल्कों का नियमन करना, इस तरह से उन पर नियंत्रण करना व्यवहार्य नहीं होगा और राज्य सरकार उन्हें कोई सहायता भी उपलब्ध नहीं करा रही है। उन्होंने दलील दी, यदि हम सभी चीजों का नियमन करेंगे तो यह राष्ट्रीयकरण (अस्पतालों का) करने जैसा होगा। उल्लेखनीय है कि अदालत ने राज्य सरकार से यह जानना चाहा था कि कोविड-19 महामारी के दौरान मरीजों से अधिक शुल्क लिये जाने को रोकने के लिये क्या उसके (राज्य सरकार के) पास कोई व्यवस्था है? अदालत, अधिवक्ता अभिजीत मानगडे की एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

रिया चक्रवर्ती गिरफ्तार

अब रिया एनसीबी के दफ्तर में ही सेल में रहेंगी। उन्हें आज भायखला जेल भेजा जाएगा। एनसीबी ने मंगलवार को लगातार तीसरे दिन रिया से पूछताछ की। सोमवार को एनसीबी ने रिया को उनके भाई शोविक चक्रवर्ती और सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा के सामने बैठाकर पूछताछ की थी। सूत्रों के मुताबिक रिया ने खुद ड्रग्स लेने की बात नहीं मानी। हालांकि, ड्रिंक करने और स्मोकिंग की बात कबूल की। रिया का कहना था कि उन्होंने जो कुछ भी किया सुशांत के लिए किया। रिया के वकील ने कहा है कि 3 जांच एजेंसियां एक महिला के पीछे सिर्फ इसलिए पड़ी हैं, क्योंकि वह एक ड्रग्स एडिक्ट से प्यार करती थी। सुशांत कई साल से मानसिक रूप से परेशान था और उसने प्रतिबंधित दवाएं खाने की वजह से सुसाइड कर ली थी। इससे पहले सोमवार को रिया की शिकायत के बाद बांद्रा पुलिस ने सुशांत की बहन प्रियंका सिंह और दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल के डॉक्टर तरुण कुमार समेत कुछ दूसरे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। सुशांत को आत्महत्या के लिए उकसाने, धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश रचने की धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक यह मामला सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया है। सोमवार को एनसीबी दफ्तर से निकलने के बाद रिया बांद्रा पुलिस स्टेशन पहुंचीं और प्रियंका समेत दूसरे लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। एक्ट्रेस का आरोप है कि रप्रियंका ने डॉक्टर का फर्जी पर्चा बनवाकर सुशांत को दिया था। पर्चे में अवैध दवाओं का प्रिस्क्रिप्शन था। डॉक्टर ने सुशांत की जांच किए बिना और सिर्फ प्रियंका के कहने पर डिप्रेशन की दवाएं लिख दी थीं। यह जालसाजी है और एनडीपीएस एक्ट, टेली मेडिसिन प्रैक्टिस गाइडलाइंस का उल्लंघन है।

आईसीयू में हैं सुरेखा सीकरी

खबर के अनुसार उनकी नर्स ने भी इस बात की जानकारी पहले शेयर की थी कि सुबह 11 बजे के आस-पास उन्हें स्ट्रोक आया था। नर्स ने बताया कि सुरेखा उस वक्त जूस पी रहीं थीं। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया था कि इलाज के लिए नर्स के पास पर्याप्त पैसा नहीं था। फिलहाल वे क्रिटीकेयर हॉस्पिटल के आईसीयू में हैं। गौरतलब है कि सुरेखा को इससे पहले 2018 में भी ब्रेन स्ट्रोक आया था। इसके बाद वे पैरालाइज्ड हो गईं थीं। इसके चलते ही एक नर्स को चौबीस घंटे उनकी देखभाल के लिए अपॉइंट किया गया था। हालांकि सुरेखा के पास बधाई हो फिल्म के बाद उनके पास कोई बड़ा प्रोजेक्ट नहीं आया था। इसलिए पिछले दिनों उन्होंने महाराष्ट्र सरकार द्वारा 65 साल से अधिक उम्र के एक्टर्स पर लगाए बैन को हटाने की मांग भी की थी।

कंगना पर शिकंजे की तैयारी

महाराष्ट्र सरकार एक्ट्रेस के ड्रग्स लेने की करेगी जांच

कंगना ने कहा- सबूत मिला तो हमेशा के लिए मुंबई छोड़ दूंगी

संवाददाता

मुंबई। कंगना रनोट और शिवसेना के बीच विवाद गहरा गया है। अब महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि कंगना के ड्रग्स लेने की जांच की जाएगी। इसके लिए अध्ययन सुमन (शेखर सुमन का बेटा) के एक इंटरव्यू को आधार बनाया है। अध्ययन ने कंगना पर कई आरोप लगाए थे। इस पर कंगना ने कहा है कि अगर उनके ड्रग्स कनेक्शन का सबूत मिला तो वे मुंबई छोड़ देंगी। कंगना ने कहा, मैं मुंबई पुलिस और महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख के इस उपकार से बहुत खुश हूं। कृपया मेरा टेस्ट कीजिए। मेरे कॉल रिकॉर्ड की जांच कीजिए। अगर आपको ड्रग पेडलर से मेरा कोई लिंक मिलता है तो मैं अपनी गलती स्वीकार करूंगी और मुंबई हमेशा के लिए छोड़ दूंगी। आपसे मिलने का इंतजार है।

अध्ययन का आरोप- कंगना मुझे पीटती थीं

अध्ययन ने एक इंटरव्यू में बताया था, एक पार्टी में कंगना ने मुझे जोर से थप्पड़ मारा तो मैं रो पड़ा। बाद में कार में मुझे पीटा। मैं वो रात कभी नहीं भूल सकता। मैंने उसे घर छोड़ा तो उसने सैंडल उतारकर मुझ पर फेंकी। मेरा फोन तक दीवार पर मारकर तोड़ दिया। कंगना ने मुझे घर बुलाकर उसके बेहतर करियर के लिए पूजा कराई और रात 12 बजे कुछ चीजें श्मशान घाट में फिंकवाईं।

कंगना के खिलाफ राजद्रोह का केस दर्ज हो सकता है

वहीं, मंगलवार को ही शिवसेना की आईटी सेल ने कंगना रनोट के खिलाफ ठाणे के श्रीनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत की है। आईटी सेल की मांग है कि कंगना पर राजद्रोह का केस दर्ज किया जाए, क्योंकि उन्होंने मुंबई की तुलना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से की थी। इस मांग पर पुलिस कानूनी राय ले रही है।

बीएमसी ने कंगना के ऑफिस में अवैध निर्माण का नोटिस चिपकाया

बीएमसी ने नोटिस चिपका कर 24 घंटे में जवाब मांगा है। कंगना ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, सोशल मीडिया पर मेरे दोस्तों ने बीएमसी के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया था, इसलिए वे आज बुल्डोजर लेकर नहीं आए। लेकिन, ऑफिस में नोटिस चिपका दिया। दोस्तो मेरे लिए बहुत खतरा हो सकता है, लेकिन आपका प्यार और सपोर्ट मिल रहा है।

कंगना के ऑफिस में इन 10 कंस्ट्रक्शन को बीएमसी ने अन-ऑथराइज बताया

1. ग्राउंड फ्लोर के टॉयलेट को ऑफिस का केबिन बना दिया।
2. स्टोर रूम में किचन बना दी गई।
3. स्टोर में सीढ़ियों के पास और पार्किंग एरिया में नए टॉयलेट बनाए जा रहे हैं।
4. ग्राउंड फ्लोर पर पैन्ट्री बनाई जा रही है।
5. फर्स्ट फ्लोर पर लिविंग रूम में लकड़ी का पार्टीशन कर कमरा/केबिन बनाया जा रहा है।
6. फर्स्ट फ्लोर पर पूजा वाले कमरे में पार्टीशन कर मीटिंग रूम/केबिन बनाया गया।
7. फर्स्ट फ्लोर पर खुले चौक में टॉयलेट बनाए गए।
8. सैकेंड फ्लोर पर सीढ़ियों की स्थिति बदली गई।
9. फर्स्ट फ्लोर पर सामने की तरफ हॉरिजॉन्टल तरीके से 2 .बाय 6 .का स्लैब बढ़ाया गया।
10. सैकेंड फ्लोर पर दीवार हटाकर बालकनी बना दी गई।

कंगना को 14 दिन के लिए क्वारैंटाइन किया जाएगा: कंगना 9 सितंबर को 'वाई' कैटेगरी की सिक्योरिटी के साथ मुंबई पहुंचेंगी। मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा है कि एक्ट्रेस को कोरोना की गाइडलाइंस फॉलो करते हुए 14 दिनों के लिए होम क्वारैंटाइन होना पड़ेगा। एयरपोर्ट पर ही उनके हाथ पर क्वारैंटाइन की मुहर लगा दी जाएगी। वे दूसरे राज्य से आ रही हैं, इसलिए उन्हें नियम मानने पड़ेंगे। इससे पहले सूत्रों ने बताया था कि कंगना 7 दिनों के अंदर वापस जाने का टिकट दिखाती हैं तो क्वारैंटाइन से छूट भी मिल सकती है।

हरामखोर कहने पर राउत ने सफाई भी दी थी: शिवसेना नेता संजय राउत ने कंगना को हरामखोर कहा था। अब इस पर सफाई दी। उन्होंने एक टीवी चैनल से बातचीत में कहा कि अगर कोई राजनीति करना चाहता है या फिर माहौल बनाना चाहता है तो किसी भी शब्द का कोई भी मतलब निकाला जा सकता है। हमारे महाराष्ट्र में जब भी बात करते हैं तो हरामखोर का मतलब नॉटी और बेईमान बताते हैं। वह (कंगना) नॉटी गर्ल है। मैंने देखा और पढ़ा है कि वह मजाक करती हैं।

भारत-चीन सीमा पर 45 साल बाद गोली चली

भारतीय सेना ने कहा- चीन हमारी लोकेशन की तरफ आ रहा था, मना किया तो उसने फायरिंग की, हमने एलएसी पार नहीं की

नई दिल्ली। सीमा पर फायरिंग को लेकर भारतीय सेना ने चीन के बयान को झूठा बताया है। भारतीय सेना ने कहा कि फायरिंग चीन की तरफ से हुई। जबकि चीन ने बयान दिया था कि फायरिंग भारत की ओर से हुई। सेना के बयान के मुताबिक 7 सितंबर को चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) हमारी फॉरवर्ड पोजीशन के नजदीक आने की कोशिश कर रही थी। जब भारतीय सैनिकों ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो चीनी सैनिकों ने फायरिंग की। उकसाने के बावजूद भारतीय सैनिकों ने जिम्मेदाराना व्यवहार किया। भारतीय सेना ने यह भी कहा कि हमारी ओर से लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर स्थिति सामान्य करने की कोशिश जारी है, जबकि चीन उकसाने वाली हरकतें कर रहा है। हमने एलएसी पार नहीं की और न ही फायरिंग या कोई ऐसी अग्रेसिव हरकत। चीन बेपरवाह होकर दोनों देशों के बीच हुए समझौते का उल्लंघन करता जा रहा है। एक ओर वो हमारे साथ मिलिट्री, डिप्लोमैटिक और राजनीतिक स्तर पर बातचीत कर रहे हैं और दूसरी ओर ऐसी हरकतें। सेना ने ये भी कहा है कि हम शांति कायम रखना चाहते हैं लेकिन देश की संप्रभुता और सरहदों की रक्षा किसी भी कीमत पर करेंगे। सेना के मुताबिक चीन के वेस्टर्न थियेटर कमांड ने झूठे बयान के जरिए अपने देश और बाकी दुनिया के लोगों को गुमराह करने की कोशिश की है।

ये ही चीन का झूठ

चीनी सेना के वेस्टर्न थियेटर कमांड के प्रवक्ता के मुताबिक भारतीय सैनिकों ने 7 सितंबर को पैंगॉन्ग सो के दक्षिणी किनारे पर एलएसी पार कर घुसपैठ की कोशिश की। भारतीय सेना ने एलएसी पार करने के बाद हवाई फायर भी किए। भारतीय सेना ने शेनपाओ इलाके में एलएसी पार की और जब चीनी की पेट्रोलिंग पार्टी भारतीय जवानों से बातचीत करने के लिए आगे बढ़ी तो उन्होंने जवाब में वॉर्निंग शॉट किए यानी हवा में गोली चलाई।

क्या हुआ 7 सितंबर सोमवार को

घटना 7 सितंबर देर शाम की है। चीन के सैनिक आगे बढ़कर भारतीय इलाके में कब्जे की कोशिश कर रहे थे। वो भारतीय सेना की लोकेशन के काफी नजदीक आ रहे थे। भारतीय सेना ने उन्हें पीछे हटने को कहा। बहस बढ़ी और भारतीय सेना को चेतावनी देते हुए हवाई फायर करना पड़ा। ये इलाका रेचन ला है। सूत्रों के मुताबिक इस झड़प के दौरान एक दो नहीं बल्कि कई राउंड फायरिंग हुई। चीन के सैनिकों ने भी फायर किया।

यूजर्स के लिए खुशखबरी

भारत वापसी के लिए पबजी ने लिया बड़ा फैसला

चीनी निवेशक टेंसेंट गेम्स को बाहर करेगी दक्षिण कोरियाई कंपनी

नई दिल्ली। दक्षिण कोरियन कंपनी पबजी कॉरपोरेशन ने अपने पॉपुलर गेम प्लेयरअननोन बैटलग्राउंड्स (पबजी) को फिर से भारत लाने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए पबजी कॉरपोरेशन ने चीनी कंपनी टेंसेंट से नाता तोड़ दिया है। कंपनी ने एक ब्लॉग में कहा है कि उसने चीनी कंपनी टेंसेंट गेम्स के पब्लिश राइट्स खत्म कर दिए हैं। पबजी के इस कदम के बाद माना जा रहा है कि वह टेंसेंट गेम्स के साथ निवेश समेत अन्य संबंध भी खत्म कर सकती है। केंद्र सरकार ने सुरक्षा कारणों से 2 सितंबर को चीन की कंपनियों से जुड़े 118 ऐप पर बैन लगाया था। इसमें पॉपुलर गेम पबजी भी शामिल था। इन ऐप पर सुरक्षा कारणों से बैन लगाया गया था। सरकार ने पबजी के मोबाइल वर्जन पर बैन लगाया था। इसमें फुल और लाइट दोनों प्रकार के वर्जन

शामिल हैं। सरकार अब तक चीन से जुड़े 224 ऐप पर बैन लगा चुकी है। पबजी कॉरपोरेशन ने अपने ब्लॉग में कहा कि बदले हालातों में कंपनी ने पबजी मोबाइल फ्रेंचाइजी की पब्लिशिंग जिम्मेदारी खुद लेने का फैसला किया है। कंपनी ने कहा कि वह भविष्य में भारत के यूजर्स के पबजी की अनुभव देने के विकल्प तलाश रही है। हम अपने यूजर्स को हेल्थी गेमप्ले वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पबजी गेम को दक्षिण कोरिया की कंपनी पबजी कॉरपोरेशन ने डवलप किया है। यह गेम पीसी, एक्सबॉक्स और प्लेस्टेशन पर उपलब्ध है। हालांकि, इस गेम का मोबाइल वर्जन चीनी कंपनी टेंसेंट होल्डिंग्स की सिस्टर कंपनी टेंसेंट गेम्स के साथ मिलकर बनाया गया है। मोबाइल पर पबजी के फुल-फ्लैग और लाइट वेरिएंट उपलब्ध हैं।

बैन हटाने को लेकर सरकार के साथ मिलकर कर रहे काम: पबजी कॉरपोरेशन ने कहा कि वह भारत में पबजी मोबाइल और पबजी मोबाइल लाइट पर हालिया बैन के बाद स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। कंपनी का कहना है कि पबजी कॉरपोरेशन भारत सरकार की ओर से लगाए गए बैन का सम्मान करती है। प्लेयर्स के डाटा की सुरक्षा कंपनी की प्राथमिकता में है। कंपनी ने कहा कि हम भारत सरकार के साथ मिलकर समस्या का समाधान करने पर जुटे हैं ताकि गेमर्स एक बार फिर से भारतीय कानूनों और रेग्यूलेशंस के साथ पबजी का लुत्फ ले सकें।

भारत में 17.5 करोड़ बार डाउनलोड हुआ पबजी: पबजी दुनिया में सबसे ज्यादा डाउनलोड किए जाने वाले गेम्स की लिस्ट में टॉप-5 में है। सेंसर टॉवर की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनियाभर में पबजी को 73 करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया गया है। इसमें से 17 .5 करोड़ बार यानी 24% बार भारतीयों ने डाउनलोड किया है। इस हिसाब से पबजी खेलने वालों में हर 4 में से 1 भारतीय है।

गेमिंग की दुनिया में सबसे ज्यादा रेवेन्यू कमाने वाला गेम है पबजी: गेमिंग की दुनिया में सबसे ज्यादा रेवेन्यू कमाने वाला गेम है पबजी। सेंसर टॉवर के मुताबिक, अभी तक पबजी 3 अरब डॉलर यानी 23 हजार 745 करोड़ रुपए का रेवेन्यू कमा चुका है। पबजी का 50% से ज्यादा रेवेन्यू चीन से ही मिलता है। जुलाई में पबजी ने 208 मिलियन डॉलर (1,545 करोड़ रुपए) का रेवेन्यू कमाया है। यानी जुलाई में पबजी ने हर दिन 50 करोड़ रुपए कमाए हैं।

देश में सुसाइड का सीन: बेरोजगारी नहीं, परिवार की दिक्कतें हैं आत्महत्या की सबसे बड़ी वजह, सुसाइड करने वालों में दूसरे नंबर पर हाउस वाइव्स

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत पर बहस जारी है। करीब तीन महीने का वक्त होने को है और अभी तक ये साफ नहीं हो पाया है कि ये हत्या थी या आत्महत्या। इन सबके बीच नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी ने भी सुसाइड को लेकर नया डेटा जारी कर दिया है। इस डेटा के मुताबिक, 2019 में 1.39 लाख से ज्यादा लोगों ने सुसाइड कर अपनी जान गंवा दी। यानी हर दिन 381 और हर घंटे 16 लोग खुदकुशी कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 में सुसाइड करने वालों का आंकड़ा 2018 की तुलना में 3.4% ज्यादा है। 2018 में 1.34 लाख लोगों ने सुसाइड की थी। इस स्टोरी में हम ये समझने की कोशिश करेंगे कि सुसाइड करने वाले कौन लोग थे? उनकी उम्र-जेंडर क्या था? उनके सुसाइड करने का कारण क्या था? किस राज्य में सबसे ज्यादा सुसाइड के मामले आए? पिछले साल सुसाइड करने वाले 23.4% लोग दिहाड़ी मजदूरी करते थे। ऐसे 32 हजार 563 लोगों ने खुदकुशी कर ली। दिहाड़ी मजदूरों के बाद घर का काम

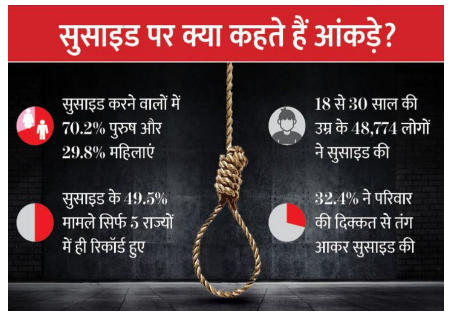

संभालने वालीं हाउस वाइफ ने सबसे ज्यादा जान गंवाई। 2019 में देशभर में 21 हजार 359 हाउस वाइव्स ने सुसाइड कर ली। सुसाइड करने वालों में 14 हजार से ज्यादा लोग बेरोजगार थे। 10 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स ने भी आत्महत्या कर ली। इन सबके अलावा खेती-किसानी से जुड़े 10 हजार 281 लोगों ने भी सुसाइड कर जान दे दी। 2019 में देशभर में 72 मामले मास या फैमिली सुसाइड के भी दर्ज किए गए, जिनमें 180 लोगों ने जान दे दी। सबसे ज्यादा 16 मामले तमिलनाडु में आए थे, जिनमें 43 लोगों की जान गई।

सुसाइड करने का कारण क्या था?

अक्सर लोगों का मानना होता है कि सुसाइड के पीछे खराब आर्थिक हालत वजह होती होगी या फिर बेरोजगारी। लेकिन ऐसा नहीं है। एनसीआरबी के मुताबिक, पिछले साल जितने लोगों ने सुसाइड किया, उनमें से सबसे ज्यादा 32.4% ने परिवार की दिक्कतों से तंग आकर आत्महत्या कर ली। 2019 में 45 हजार 140 लोगों ने परिवार की दिक्कतों की वजह से सुसाइड की।

बुलढाणा हलचल

सरकारी गाइडलाइन के अनुसार सैलानी दरगाह खोलने की मांग

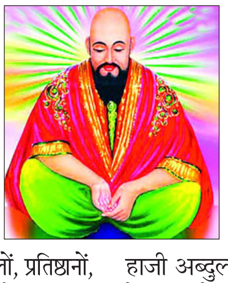

बुलढाणा। दुनिया भर के लाखों भक्त हाजी अब्दुल रहमान उर्फ सैलानी शाह बाबा की दरगाह पर, मानसिक रूप से बीमार, निराश्रित, उत्पीड़ित, मजबूर और बेबस लोग सैलावी दरगाह पर दर्शन करने के लिए आते हैं। हालांकि, इस वर्ष, कोरोना दुनिया भर में फैल गया है और सभी धार्मिक स्थलों, प्रतिष्ठानों, दरगाहों को सरकार के आदेश के अनुसार कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। वर्तमान में, सरकार ने सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार दुकानें, बाजार आदि खोलने की अनुमति दी है। सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, मास्क और फिजीकल डिस्टनसिंगका पालन करके हाजी अब्दुल रहमान उर्फ सैलानी शाह बाबा के दर्शन के लिए दरगाह खोलने की अनुमति दी जानी चाहिए। ऐसी मांग सामाजिक कार्यकर्ता नदीम शेख और नौशाद ने यह मांग की है। पिछले कई महीनों से दरगाह के बंद होने के कारण कई लोग रोजगार के लिए दरगाह पर निर्भर हो गए हैं। कई परिवार भुखमरी का सामना कर रहे हैं। इसलिए दरगाह क्षेत्र में फूल बेचने वालों, नारियल बेचने वालों, चादर और प्रसाद बेचने वालों की स्थिति बदतर होती जा रही है। इस पर भी सरकार व प्रशासन गौर करते हुए दोनों ने दरगाह खोलने की मांग की है।

घर कुल का लालच दिखाकर बार-बार यौन शोषण, आरोपी राजनीतिक नेता ने ली महिला की वीडियो क्लिप?

बुलढाणा। तमगांव पुलिस स्टेशन में एक 35 वर्षीय महिला के साथ बार-बार यौन शोषण करने की घटना का मामला सामने आया। यह मामला 'उच्च प्रोफाइल' बन गया है क्योंकि अपराधी एक राजनीतिक नेता है। पीड़िता ने शिकायत में कहा कि पीड़िता के साथ एक राजनीतिक नेता ने बलात्कार किया था जिसने रिश्ते का वीडियो जारी करने की धमकी दी थी। मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी नेता फरार है। असालगाँव (ताल. जलगाँव जामोद) के संतोष राजाराम दंडगे (45) ने वरवत बाकल (ताल. संग्रामपुर) की 35 वर्षीय एक महिला को घर दिलाने के बहाने बार-बार बलात्कार करने की शिकायत की है। पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। महिला के मुताबिक, आरोपी एक राजनीतिक पदाधिकारी है और एक पेट्रोल पंप का मालिक है। शिकायत में यह भी कहा गया कि आरोपी ने व्हिडीओ शूटिंग संबंधों का वीडीयो वायरल करके लडकी को जान से मारने की धमकी दि। घटना से जलगांव जामोद और संग्रामपुर तालुका में खलबली मच गई।पुलिस सूत्रों ने बताया कि 35 वर्षीय एक महिला वरवत बाकल में रहती है। उसका पति उसके साथ नहीं रहता है। वह घर का काम करके अपना गुजारा करती है। उसका केस उसके पति के खिलाफ अदालत में लंबित है। इसी बीच उसकी मुलाकात संतोष राजाराम डांडगे से हुई। उस समय, डैंडेज ने कहा, 'मैं एक राजनीतिक पदाधिकारी हूं और मैं आपकी मदद करता हूं।' उसने महिला को घर्कुल को दिलाने का आश्वासन दिया। इसी से दोनों की पहचान बढ़ी। बाद में वह उसके घर आने लगा। पति पीड़ित है क्योंकि वह यहां रहती है। तो मैं आपको असलगाँव में एक घर दिलवाता हूँ। ऐसा अमीष दांडगे ने दिया और 16 जून 2014 को, उसके घर आया और उसके साथ बलात्कार किया। महिला ने संबंध का विरोध किया तो उसने कहा घुरकुल नहीं मिलेगा। महिला ने शिकायत में कहा कि उसने धमकी दी थी कि वह बेटि की शादी भी नहीं होने

देगी। समर्थन की कमी के कारण, वह भी गलतफहमी का शिकार हो गई और उसके बाद दांडगे का बार-बार उसके साथ संबंध करना। कभी-कभी वह वरवट आता था और कभी-कभी जब उनकी पत्नी घर पर नहीं होती थी, तो वह उन्हें असलगांव बुलाया लेकीन महिलाा ने आने से मना कर दिया। उसने लड़कि को जान से मारने और वीडियो शॉट्स जारी करने की धमकी भी दी,उसके साथ पांच से छह साल तक बार-बार बलात्कार किया गया। जब पीड़िता घर के बारे में पूछताछ करने के लिए 6 सितंबर, 2020 को उसने पेट्रोल पंप पर गई, तो उसने उसे असलगांव बुलाया। उसने शिकायत में यह भी कहा कि उसे धमकी दी कि वह अगर यौन संबंधों के बारे में बाताया अन्यथा इसके बुरे परिणाम होंगे, और उसे पीटा गया और इस बार घर से बाहर निकाल दिया गया।तमगांव पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक श्रीकांत विखे को सौंप दी है।

रामपुर हलचल

युवक को जान से मारने व गंभीर केसों में फंसाये की धमकी

संवाददाता/नदीम अख्तर

टांडा (रामपुर)। नगरीय निवासी मोहल्ला काजीपुरा एक युवक को जान से मारे जाने व गम्भीर केसों में फंसाये जाने को लेकर कई बार किया गया हमला घटना से सम्बंधित लगातार पुलिस को भी अवगत कराया जा चुका है इसके उपरान्त भी उत्पात मचाने वाले अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं मामले से सम्बंधित पुलिस को दोबारा अवगत कराया गया है। नगरीय निवासी मोहल्ला काजीपुरा मोहम्मद अजीम पुत्र मोहम्मद तस्लीम जो कि गाड़ियों की ट्रांस्पोर्ट का कार्य करता है अपना व अपने परिवार का पालन पोषण करता चला आ रहा है शिकायत करता की 650000 रुपये की रकम का मामला जो लेन देन को लेकर उपजा उसमें मुशर्रफ अली उर्फ कालिया पुत्र मददन खाँ निवासी टंडोला व गुड्डू, मुस्तुफा,नूर पुत्र गण मोहम्मद अय्यूब निवासी गण मोहल्ला काजीपुरा शिकायत कर्ता की रकम को हड़प करना चाहते हैं उपरोक्त सभी ने अन्य युवकों को अपने साथ लेकर जान से मारे जाने के इरादे से घर चढ़ाई कर दी गई जबकि शिकायत कर्ता उस समय वहां पर मौजूद नहीं था घर की महिलाओं के साथ गाली गलौच अभद्रता का रवैय्या अपनाया गया दिनांक 7.9.2020 की रात्रि 9 बजे व 10 बजे लाल किला राइस मिल के पास मियां वाली मस्जिद इनाम अली केन्टीन के पास दो जगहों पर पहुंच कर तमंचा से फायरिंग की गई दिनांक 8.9.2020 की दोपहर 3 बजे शिकायत कर्ता को जान से मारे जाने के इरादे से घेर लिया गया जैसे ही तमंचा चलाया गया वह मिस हो गया किसी तरह शिकायत कर्ता ने अपनी जान बचाई घटना से सम्बंधित आधा दर्जन के लगभग युवकों के नाम देकर उचित कार्यवाही किये जाने की मांग पुलिस से की गई है।

34 स्वार टांडा उपविधान सभा प्रत्याशी मु. शफीक अंसारी को चुनावी मैदान में बहुजन समाज पार्टी की नीतियो के चलते पार्टी के पद आधिकारियो द्वारा चुनाव लड़े जाने की घोषणा

टांडा (रामपुर)। 34 स्वार टांडा उपविधान सभा प्रत्याशी मु० शफीक अंसारी को चुनावी मैदान में बहुजन समाज पार्टी की नीतियो के चलते पार्टी के पद आधिकारियो द्वारा चुनाव लड़े जाने की घोषणा के उपरान्त स्वार टांडा विधान सभा क्षेत्र में क्षेत्रीय विधायक चुने जाने पर क्षेत्रीय जनता ने उनके आवास पर पहुच कर जोरदार स्वागत किया गया जो सराहनीय रहा इस दोरान पार्टी के वरिषठ नेता मण्डल प्रभारी शमशुददीन राईन सहित अन्य नेताओ ने लोगो की भारी मांग के अनुसार स्वार टांडा विधान सभा उपचुनाव का उम्मीदवार घोषित किया गया पार्टी की गति विधियों को देखते हुए मु० शरीफ ठेकेदार अंसारी ने भी अपने आवास मोहल्ला काजीपुरा में चुनाव से सम्बंधित बैठक कर कहा कि हमे जातिवाद को नकारते हुए सभी एक मत राय होकर क्षेत्रीय विधायक को चुनना है और रामपुर की गुलामी की जंजीरों से आजाद होना है शफीक अंसारी के चुनाव का समय जेसे-जेसे करीब आता जा रहा है वैसे ही वेसे क्षेत्रीय जनता में एक अलग सा उबाल आना पैदा हो गया है चुनाव की कोशिशे तेज होती नजर आ रही है जनता को अबकी बार मुहं तोड़ जवाब देना है समाजवादी पार्टी के शासन काल में जितने भी मुस्लिमो के साथ जुल्म किये गये है एवं उनको नुकसान पहुचाया गया है ऐसा बसपा पार्टी में कुछ नहीं किया जायेगा बदले की भावना को दूर रखते हुए सभी व कार्य विकास से सम्बधित कराये जाने पर जोर दिया जायेगा इस मोके पर नगर अध्यक्षता मु० तस्लीम,मु० शरीफ ठेकेदार अंसारी,मु० इकराम, मु० सलीम, हाजी लियाकत अली, नजाकत अली, अशरफ अली उर्फ कल्यान ठेकेदार, महबूब अली, मु० सलमान, अनवर, नजीर अहमद, ने अपने-अपने विचार रखे अध्यक्षता मु० तस्लीम व संचालन मु० शरीफ ठेकेदार अंसारी ने किया।

समस्तीपुर हलचल

भोजपुर गैंगरेप के आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग पर प्रदर्शन

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। भोजपुर में दलित छात्रा के साथ के साथ गैंगरेप के आरोपियों को गिरफ्तार करने, बढ़ते रेप, महिला हिंसा पर रोक लगाने आदि की मांग को लेकर ऐपवा के बैनर तले ताजपुर प्रखण्ड के मोतीपुर में महिलाओं ने प्रदर्शन किया। मांगों से संबंधित नारे लिखे तख्तियां, झंडे हाथों में लेकर महिलाएं सरकार विरोधी नारे लगा रही थीं। कार्यक्रम का नेतृत्त्व साजन देवी, लक्ष्मी देवी, चंपा देवी, अनीता देवी, कौशल्या देवी आदि ने किया। प्रेस विज्ञप्ति

जारी कर ऐपवा जिलाध्यक्ष बंदना सिंह ने कहा कि मुजफ्फरपुर में छात्रा का अपहरण कर लिया गया। उसे अभी तक पुलिस बरामद नहीं कर पाई है। राज्य के विभिन्न जिले में रेप, गैंगरेप, महिला हत्या, महिला हिंसा का बाढ़ आ गया है। सुशासन की सरकार इसे रोकने के बजाये वर्चुअल रैली में मस्त है। उन्होंने तमाम आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजने अन्यथा आंदोलन तेज करने की घोषणा की।ऐपवा सह माले नेत्री ने आगामी विधानसभा चुनाव में महिला विरोधी नीतीश सरकार को उखाड़ फेंकने की अपील महिलाओं से की।

भाजपा कार्य समिति की बैठक सह कार्यकर्ता सम्मान समारोह

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। भाजपा ताजपुर पूर्वी मंडल कार्यसमिति बैठक सह कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन आधारपुर पैक्स भवन में हुआ इस समारोह की अध्यक्षता अध्यक्षता ताजपुर पूर्वी मंडल अध्यक्ष राजीव सूर्यवंशी ने की संचालन जिला नेता राकेश राज एवं मंडल महामंत्री सुशील कुमार चौबे ने किया। इसमें भाजपा जिला अध्यक्ष उपेन्द्र कुमार कुशवाहा एवं जिला भाजपा एवं मंडल कार्यसमिति पदाधिकारी सहित समस्त कार्यकर्ताओं की उपस्थिति मे निवर्तमान

जिला अध्यक्ष रामसुमिरन सिंह द्वारा समस्त मंडल भाजपा के कार्यकर्ताओ, मोर्चा, मंच, बूथ अध्यक्ष सहित सभी को अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया और भाजपा सरकार मोदी के उपलब्धियों के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में बहुत से युवा एवं महिलाओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस कार्यकर्ता सम्मेलन में जिला अध्यक्ष उपेन्द्र कुमार कुशवाहा, सुनील गुप्ता, प्रभात कुमार, गीतांजलि, कृष्ण मोहन गुप्ता, अशोक नायक, विमला देवी, सत्य प्रकाश सुमित, विपिन गुप्ता, अमरनाथ शर्मा, अजय दास, राजकमल पांडेय, राजकुमार पंडित, लक्ष्मी पंडित, सोनू शर्मा, श्याम सुन्दर पोद्दार, अरविंद पोद्दार, रंजीत कुशवाहा, कौशल्या देवी, पिंकी देवी आदि ने भाग लिया।

मधुबनी हलचल

नगर बिधायक समीर कुमार महासेठ ने किया पांच योजनाओं का शिलान्यास

संवाददाता/मो सालिम आजाद

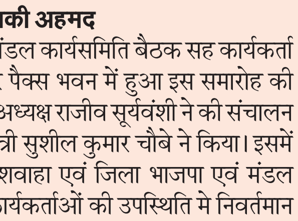

मधुबनी। मुख्यमंत्री ग्रामीण सड्क योजना और मुख्यमंत्री छेतर विकास योजना के तहत नगर बिधायक समीर कुमार महासेठ ने 83 लाख 35 हजार रुपए की लागत वाली पांच योजनाओं का शिलान्यास किया जिसमें सिरपुर हाटी टोल मोहनपुर तक सड्क खजूरी पंचायत के फतेहपुर गाँव में सामुदायिक भवन भोआड़ा पंचायत के वाड नम्बर 15के राम परिछन सिंह के घर से पंडोल मधुबनी मुख्य पथ तक पिसिसी सड्क दहीवत माधोपुर पश्चिमी पंचायत के कोठिया मसजिद के नजदीक से प्राथमिक मकतब तक पिसिसी सड्क और सुन्दर पुर भीठी पंचायत के खरी गाँव के मदरसा चश्मे ऐ रहमत भवन का निर्माण कार्य शामिल हैं शिलान्यास कार्यक्रम में अमरेनदर चोधरी साबिर मुख्या गुनानद यादव पप्पू यादव फैजल मोहम्मद जावेद आलम मो कामिल हुसैन मो फहीम मो असगर रतनेसवर यादव संतोष यादव मो ईशतेयाक वगैरा शामिल थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

Wedding Day के लिए ये ओवरनाइट ट्रिक आएंगे आपके काम

शादी के लिए दुल्हन को बहुत ही खास तरीके से तैयार किया जाता है। यह उसकी जिंदगी के सबसे खुशनुमा पलों में से एक होते हैं, जिसकी यादें वह उम्र भर संभाल कर रखना चाहती है। इसके लिए तीन खास बातों की तरफ खास ध्यान दिया जाता है। एक निखरी त्वचा दूसरा कुदरती ग्लो तीसरा चमकदार बाल। इन सबको परफैक्ट बनाने के लिए लड़कियां महीनों पहले ही पार्लर जाकर ट्रीटमेंट लेने शुरू कर देती हैं। आप हम आपको ब्यूटी के कुछ नाइट टिप्स बता रहे हैं, जिससे शादी से पहले और बाद में भी आपकी स्किन को बहुत फायदे मिलेंगे।

1. आंखों की सूजन हटाएं

नींद पूरी न होने या फिर ज्यादा देर तक सोने से आंखों के आशपास सूजन आनी शुरू हो जाती है। इससे कई बार आंखों के आस-पास काले घेरे भी पड़ने लगते हैं। जिससे बचने के लिए आप रात को सोने से पहले सिर के नीचे तकिया रख कर सोएं। इस बात का ध्यान रखें की तकीया ज्यादा ऊंचा नहीं होना चाहिए। इससे आखों के आसपास जमा होने वाला तरल आसानी से सूखना शुरू हो जाएगा। जिससे आंखों के पास की त्वचा में सूजन नहीं होगी।

2. कुदरती निखार

त्वचा पर कुदरती निखार हो तो चेहरे पर खुशी साफ झलकती दिखाई देती है। इशके लिए विटामिन सी बैस्ट है। रात को सोने से पहले नाइट क्रीम में विटामिन सी का आधा कैप्सूल मिक्स करके फेस पर लगाएं। इससे सुबह उठते ही स्किन पर फर्क दिखना शुरू हो जाएगा। इसे हफ्ते में 2-3 बार इस्तेमाल करें।

3. नर्म-मुलायम पैर

पैरों में दरारे पड़ने की वजह से खराब लगने लगते है। दूल्हन के पैर नर्म और मुलायम हो तो रात को सोने से पहले पैरों पर वैस्लीन लगा कर कॉटन की जुराबे पहन लें।

4. सफेद दांत

दांत पीले हैं तो इसे सफेद बनाने के लिए चुटकी भर बेकिंग सोडे से दांतों पर मंजन करें। इसके बाद पानी से कुल्ला कर लें। दांतों की झनझनाहट और पीला पन दूर हो जाएगा।

5. बाल बनाएं बाउंसी

रात को सोने के बाद सुबह कर्ली बालों की सैटिंग खराब हो जाती है। इसके लिए साटिन का पिलो कवर इस्तेमाल करें और किसी सॉफ्ट रबड बैंड से बाल बांध लें।

6. डार्क सर्कल हटाएं

डार्क सर्कल हो तो इससे चेहरे का ग्लो खत्म हो जाता है। इसे दूर करने के लिए रात को सोने से पहले टी ट्री ऑयल और बादाम का तेल मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। यह डार्क सर्कल हटाने के साथ-साथ चेहरे को भी हाइड्रेट करता है।

वर्किंग वुमन्स इन आसान से टिप्स को अपनाकर चमकाएं घर

आजकल ज्यादातर महिलाएं कामकाजी है। उनके पास इतना समय नहीं होता की वह घर की साफ सफाई के लिए ज्यादा समय लगाएं। वह जल्दी-जल्दी में सफाई करती है जिससे दाग अच्छे से साफ नहीं हो पाते। कई बार उन दागों की वजह से दूसरे लोगों के सामने शर्मिंदा भी होना पड़ता है। अगर आप वर्किंग वुमन्स हैं और आपके पास घर की सफाई करने का समय नहीं तो आज हम आपके लिए कुछ बढ़िया टिप्स लेकर आए है जो आपके घर को चमका देगा। तो आइए जानते हैं उन टिप्स के बारे में।

1. किचन कैबिनेट्स

किचन कैबिनेट्स में अक्सर तेल के दाग पड़ जाते हैं। उन तेल के दोगों को मिटने में बहुत समय लगता है। अगर आप आसानी से तेल के दोगों को कैबिनेट्स से मिटाना चाहते हैं तो एक टिशू पेपर पर ऑलिव ऑयल की डालें कर साफ करें। ऑलिव ऑयल से जिद्दी से जिद्दी निशान भी मिट जाते हैं।

2. फ्रिज

फ्रिज से स्मैल आना आम है। स्मैल आने दूर करने के लिए आलू के छिलकों का इस्तेमाल करें। आलू के छिलको को उबाल कर उस पानी से फ्रिज के दरवाजे को अच्छे से साफ कर लें।

3. डायनिंग टेबल

डायनिंग टेबल को नीलगिरी के तेल से साफ किया जा सकता है इस तेल से टेबल साफ करने पर गंदगी दूर होने के साथ ही उसकी चमक भी बनी रहती है।

4. गैस

गैस को साफ करने के लिए संतरे का छिलके का उपयोग करें। संतरे को गैस पर रगड़े। इस तरह गैस की सफाई करने पर उसे अचछी खुशबू भी आने लगेगी।

5. नल

घर में लगे नल को साफ करने के लिए टूथपेस्ट का यूज करें। एक कपड़े पर टूथपेस्ट लगाकर उससे नल को साफ करें फिर उसके गर्म पानी से धो लें। इस तरह सफाई करने से नल चमकने लगेगा।

6. शीशा

शीशे को हैंड वॉश से साफ करें। 1 गिलास पानी में 1 बूंद हैंड वॉश डाल कर एक घोल बनाएं। इसके घोल से शीशे को साफ करें।

7. कमोड

कमोड के दागों को साफ करने के लिए बेकिंग सोडे का इस्तेमाल करें। ऐसा करने से कमोड जल्दी साफ हो जाएगा।

उंगलियों का कालापन कर रहा है शर्मिंदा तो अपनाएं ये टिप्स

लड़कियां हाथों की उंगलियों को खूबसूरत दिखाने के लिए कई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करती है लेकिन कई बार उनकी उंगलियों के ज्वाइंट्स का कालापन उन्हें शर्मिंदा कर देता है। फिर चाहे वो कितनी भी बढ़िया नेलपेंट्स और ज्वैलरी का इस्तेमाल न कर लें। अगर आपको भी उंगलियों का कालापन शर्मिंदा कर रहा है तो हमारे बताएं घेरलू नुस्खों को इस्तेमाल करके इन्हें गोरा और साफ बनाएं।

बादाम के तेल में ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो कालेपन के दूर करने में मदद करते हैं। इस उपचार को करने के लिए गुलाब जल में बादाम के तेल में मिला लें और फिर इसे उंगलियों के ज्वाइंट्स अप्लाई करें। इसके सूखने के बाद हाथों को हल्के गर्म पानी से धोंए। इस प्रक्रिया को सप्ताह में दो बार दोहराएं। उंगलियों के कालेपन को दूर करके चमक लाने में नींबू और शहद काफी कारगार उपाय है। इसे इस्तेमाल करने के लिए नींबू के रस में शहद मिलाकर पेस्ट बनाएं और उंगलियों पर लगाएं और कुछ मिनटों बाद हाथों को पानी से धो लें।उंगलियों में चमक लाने के लिए शुगर स्क्रब भी बढ़िया है। यह हर तरह की स्किन पर सूट करता है। शुगर और शहद को मिक्स करके उंगलियों पर लगाएं और इसके हल्के सूखने पर इससे स्क्रब करें और बाद में धोएं।

झगड़ते समय पार्टनर को कहेंगे ये बातें तो कभी नहीं होगी सुलाह

पति-पत्नी या गर्लफ्रेंड- बॉयफ्रेंड में लड़ाई होना आम है। जहां प्यार होता है वहां ही लड़ाई होती है। मगर लड़ाई-झगड़ा करते इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इस दौरान आप कोई ऐसी बात न बोल दें जो आपके पार्टनर के मन में घर कर जाए। लड़ाई-झगड़े तो खत्म हो जाता हैं लेकिन उस बात की चोट पार्टनर के दिलो-दिमाग पर हमेशा के लिए रह जाती है। हम आपको बता रहे हैं ऐसी ही कुछ बातें, जो बहस के दौरान कहने से बचना चाहिए।

1. रिश्ता खत्म करने की बात

लड़ाई करते समय कभी भूलकर भी पार्टनर से रिश्ता खत्म करने की बात न करें। अगर आप दोनो में किसी बात को लेकर लड़ाई हो जाती है तो अपने पार्टनर को समझने की कोशिश करें।

2. अपने रिश्ते को कभी ना कोसें

कई बार लड़ाई करते समय आप गुस्से में पार्टनर से बोल देते हैं कि तुमसे शादी करके मैंने जिंदगी की सबसे बड़ी गलती की। इस तरह के शब्द लड़ाई को खत्म करने की बजाए। उसको और बढ़ा देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप जितने मर्जी

नराज क्यों न हो अपने रिश्ते को कभी ना कोसें।

3. क्या तुम पागल हो ?

बहस के दौरान अपने पार्टनर को पागल न कहें। अगर वो आपकी बात नहीं सझ पा रहा तो उसको प्यार से अपनी बात को समझाएं।

4. घरवालों से तुलना ना करें

कभी भी अपने पार्टनर की तुलना घर वालों से न करें। इस तरह की बातें करने से रिश्ते कमजोर होते हैं। पार्टनर को ऐसी बातें बोलने से पहले अपने मन में ये बात सोचें कि अगर आपका पार्टनर आपके परिवार के किसी सदस्य के बारे में ऐसा कहेगा तो आपको कैसा लगेगा।

5. तुम मोटे हो

कई बार लड़ाई-झगड़ा करते समय लड़की लड़के से बोल देते हैं कि तुम मोटे हो फिर भी मै तुम्हारे साथ रह रही हूं। इस बात का लड़के को बहुत बुरा लगता है। कई बार तो इससे रिश्ते टूट भी जाते हैं। अगर आप अपने रिश्ते को बचाना चाहते हैं तो ऐसी बातें ना बोलें।

6. बातो को इग्नोर करें

अपने रिश्ते के शुरुआती दिनों को याद करें। जब आप पार्टनर द्वारा बोली गई बातों को इग्नोर कर दिया करते थे। अब भी वैसा ही करे बातों को खींचने से अच्छा है कि आप खुद अपने पार्टनर को सॉरी बोलकर बात को वहीं खत्म करने की कोशिश करें।

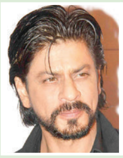

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आरव किसी को नहीं बताना चाहता कि वह मेरा बेटा है: अक्षय

बॉलिवुड स्टार अक्षय कुमार ने बताया कि उनका बेटा आरव अपनी जिंदगी को मीडिया की चमक-धमक से दूर रखना चाहता है। आरव करीब 18 साल के हैं और अक्षय व ट्विंकल की 7 साल की बेटी नितारा भी हैं। अक्षय ने कहा- मेरा बेटा काफी अलग है, किसी को नहीं बताना चाहता कि वह मेरा बेटा है। अक्षय ने अपने बेटे आरव को लेकर होस्ट बेयर ग्रिल्स बातें करते हुए कहा, वह लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करता है। वह अपनी अलग पहचान बनाना चाहता है। यही पूरी बात है और मैं इसे समझता भी हूं। मैंने उसे फ्री छोड़ रखा है, वह जैसा करना चाहता है वह करे। अक्षय ने कहा, मेरे पिता मेरी लाइफ में इकलौते प्रेरणा रहे और मैंने उनके सभी रूल्स फॉलो किए हैं जो भी उन्होंने सिखाया। मैं चाहता हूं कि मेरा बेटा भी इससे सीखे।

तैमूर अली खान को खुद बनाना होगा अपना रास्ता: करीना

बॉलिवुड में पिछले काफी समय से नेपोटिजम पर बहस चल रही है। अब इस मुद्दे पर करीना कपूर का रिऐक्शन आया है। उन्होंने कहा है कि तैमूर को अपना रास्ता खुद बनाना होगा। ऐसा नहीं है कि वह करीना और सैफ का बेटा है तो बॉलिवुड का सुपरस्टार बन जाएगा। करण जौहर के चैट शो पर कंगना रनौत ने उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिजम का बढ़ावा देने वाला बताया था। इसके बाद से ही बॉलिवुड में नेपोटिजम की बहस शुरू हो गई। हाल में सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद इस बहस ने और जोर पकड़ लिया और लोग सोशल मीडिया पर नेपोटिजम के लिए सिलेब्रिटीज को ट्रोल करने लगे। अब हाल में करीना कपूर खान ने भी नेपोटिजम के ऊपर बात की है। जर्नलिस्ट और फिल्म क्रिटिक अनुपमा चोपड़ा को दिए एक इंटरव्यू में करीना ने कहा कि उन्हें लगता है कि हर आदमी को वह सब मिलता है जिसके वह लायक होता है और उसकी किस्मत में लिखा होता है। अपने बेटे तैमूर के बारे में उन्होंने कहा, ये नहीं है कि तैमूर इस देश का सबसे बड़ा स्टार बनने वाला है। वह शायद देश का ऐसा बच्चा है जिसकी सबसे ज्यादा तस्वीरें ली गई हैं, चाहे इसका जो भी कारण हो, मुझे नहीं पता। मैं भी अपने बच्चे के लिए चाहती हूं कि वह आत्म निर्भर बने। उसे अपनी जिंदगी में जो भी करना है करे। हो सकता है कि वह शेफ बनना चाहे या पायलट या फिर जो भी करने की उसकी इच्छा हो। तैमूर के बारे में आगे बात करते हुए करीना ने कहा, मैं चाहती हूं कि तैमूर अपनी जिंदगी में खुश रहे। यह जरूरी नहीं है कि उसके पैरंट्स सफल हैं तो वह भी हो जाएगा। उसका सफर तब शुरू होगा जब इसे शूरू करना चाहेगा। उसे अपना रास्ता खुद ढूंढना होगा। उसके पैरंट्स इसमें किसी भी तरह उसकी मदद नहीं करने वाले।

कार्तिक आर्यन को अपने पहले विज्ञापन के लिए मिली थी इतनी रकम

कार्तिक आर्यन को आज बॉलीवुड में किसी पहचान की जरूरत नहीं है। खास तौर पर कार्तिक आर्यन को एक मोनोलॉग बॉय के रूप में जाना जाता है और ये नाम उन्हें उनकी फिल्म 'प्यार का पंचनामा' के बाद मिला है। कार्तिक आर्यन को अपनी पहली एड फिल्म तब मिली थी जब वो कॉलेज में थे जिसके बाद कार्तिक ने अपने करियर में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। वैसे तो कार्तिक मुंबई में पढ़ाई करने और कॉलेज की डिग्री लेने के लिए आए थे, लेकिन यहां रहकर उनका असली मकसद तो हीरो बनने का था। आज भले ही कार्तिक आर्यन करोड़ों में खेलते हों लेकिन एक वक्त था जब वो भी हर मिडिल क्लॉस लड़के की ही तरह अपनी जिंदगी में संघर्ष कर रहे थे। हर माता-पिता की ही तरह कार्तिक के घरवाले भी उन्हें एक इंजीनियर या डॉक्टर बनाना चाहते थे। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। जब कार्तिक बी. टेक की पढ़ाई करने के लिए मुंबई आए थे तब वो अपना खर्चा उठाने के लिए एक्टिंग करने लगे। उस वक्त उनके पास इतने पैसे नहीं थे कि वो महंगा पोर्टफोलियो करवा सकें। कार्तिक अक्सर फोन से ली गई तस्वीरें को ही ऑडिशन देने के वक्त इस्तेमाल किया करते थे। जब वो कॉलेज के सेकेंड इयर में थे तब उन्हें एक विज्ञापन में काम करने का मौका मिला। उस एड फिल्म के लिए कार्तिक को 13,000 रुपये का चेक मिला था।